

प्रेषक,

श्री राकेश शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 16 सितम्बर, 2011

विषय:- 12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पूर्व में स्वीकृत योजनाओं के पुनरीक्षित आगणनों पर अवशेष वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-176/2-6-734/2010-11, दिनांक 25 जुलाई, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पूर्व में 12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत जनपद चमोली के औली में स्केयर एवं पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु अवस्थापना सुविधाओं का विकास के पुनरीक्षित आगणन ₹ 720.06 की धनराशि पर टी०सी० वित्त के परीक्षणोपरान्त प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में राज्य सेक्टर की चालू निर्माण योजना के अन्तर्गत आगणन की अवशेष धनराशि ₹ 111.11 लाख (रुपये एक करोड़ ग्यारह लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरे शेड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

3- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।

6- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

7- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2012 तक अवश्य कर लिया जाय।

9- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।



5

5

-2-

- 10- एक योजना हेतु स्वीकृत धनराशि का व्यय दूसरी योजना पर कदापि न किया जाय।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
- 12- आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 13- आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 14- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-47-निर्माण कार्य चालू-24-वृहत् निर्माण कार्य मद के नामों डाला जायेगा।
- 15- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 के प्राविधानों द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(रार्केश शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

संख्या:- 2002 /VI(1)/2011-05(36)/2006 टी0सी0-I तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, चमोली।
- 5- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निजी सचिव-मा0 पर्यटन मंत्री, मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 8- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, चमोली।
- 9- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।